अनुभूत आयुर्वेद चिकित्सा

रमेश कुमार भूत्या
अशोक कुमार सक्सेना
राधेश्याम गर्ग
पत्ता सिंह सोलंकी

साईन्टिफिक पब्लिशर्स

अनुभूत
आयुर्वेद चिकित्सा

लेखक गण

Mkñ jes'k dqekj HkkR;k
Mkñ v'kksd dqekj lDlsuk
Mkñ jk/ks';ke xxZ
Mkñ iÙkk flag lkydh

SCIENTIFIC
PUBLISHERS

प्रकाशक

I kbfUVfQd ifCy'kl ¼bfM;k½

जोधपुर

5–ए, न्यू पाली रोड
पोस्ट बॉक्स नं. 91
जोधपुर – 342 001 भारत

दिल्ली

4806/24, अंसारी रोड़
दरियागंज,
नई दिल्ली – 110 002 भारत

© 2017, डॉ॰ रमेश कुमार भूत्या

iR;k[;ku – Limits of Liability and Disclaimer of Warranty

लेखक गण ने इस पुस्तक की शुद्धता के बारे में पूरा प्रयत्न एवं पूरी सावधानी रखी है, फिर भी लेखकगण इस पुस्तक के किसी तथ्य, भाग, विषय या अन्य कथ्य की प्रमाणिकता के बारे में कोई दावा नहीं करते हैं। लेखक गण इस पुस्तक के आधार पर की गई चिकित्सा के परिणाम का उत्तरदायी नहीं होगें । इस पुस्तक के आधार पर चिकित्सा करने से पूर्व आयुर्वेद के योग्य व अनुभवी विशेषज्ञ चिकित्सक का परामर्श अवश्य लेवें।

इस पुस्तक का कोई भी भाग लेखक या प्रकाशक की लिखित अनुमति के बिना माइक्रो फिल्म, फोटोस्टेट या अन्य किसी भी प्रकार से प्रकाशित नहीं किया जा सकता है।

ISBN: 978-93-86347-05-3

eISBN: 978-93-87869-54-7

Visit the Scientific Publishers (India) website at
http://www.scientificpub.com

Printed in India

lei.k

प्रेरणास्पद पथ प्रदर्शक

एवं

उत्साही वैज्ञानिक

Mkñ Jhd".k [kk.My

पूर्व विभागाध्यक्ष,

विकृति विज्ञान विभाग,

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर (राजस्थान)

ifl) vk;ofnd fpfdRld

i`kDdFku

आयुर्वेद आयु का विज्ञान है। इसमें दोष, दूष्य, प्रकृति इत्यादि को समझ कर चिकित्सा की जाती है। हम सब जानते हैं कि आयुर्वेद चिकित्सा करना आसान कार्य नहीं है। विशेषतः नवागन्तुक चिकित्सकों को आरम्भ में कुछ कठिनाई आती है। पुराने चिकित्सकों को भी चिकित्सा के विकल्प खोजने में कठिनाई आती है। हमसें कई बार विभिन्न स्थानों पर व्याख्यान देते समय यह अपेक्षा की गई है कि विस्तृत वर्णन के स्थान पर रोगों के सफल नुस्खे बतावें ताकि वे व्यवहारिक जीवन में काम आ सकें। चिकित्सा कार्य आरंभ करने वाले नव चिकित्सकों की तरफ से यह अपेक्षा प्रायः की जाती रही है। उन्हीं की सहायतार्थ इस पुस्तक का निर्माण किया गया है। पाठक बस अपना पसन्दीदा नुस्खा चुने व काम में लें।

यह मान कर कि पाठक चिकित्सकों को रोगों के लक्षण, चिन्ह, निदान एवं सापेक्ष निदान का पूरी तरह ज्ञान है और वे रोग का सही निदान कर चुके हें, यही मान कर यहाँ सीधे नुस्खे दिये गये हैं। लक्षण, निदान आदि के बारे में वर्णन करना इस पुस्तक का विषय नहीं है। यदि इनका वर्णन यहाँ किया जायेगा तो पुस्तक का आकार बहुत बड़ा होगा।

हमने अपने 30 वर्ष के चिकित्सा काल में सभी रोगों की यथासंभव सफल चिकित्सा की है, जिसके अनुभवों को हमनें यथासंभव यहाँ दर्शाने का प्रयास किया है। यदि हमारे इस प्रयास सें हमारे चिकित्सक बन्धुओं को अल्प चिकित्सा सौकर्य भी होता है तो हम इस प्रयास को सफल समझेगें।

पुस्तक के अन्त में दी गई अनुक्रमणिका में रोगों के हिन्दी नामों के साथ–साथ अंग्रेजी नाम एवं पृष्ठ नम्बर भी दिये गये हैं ताकि पाठकों को रोगों की चिकित्सा खोजने में कोई कठिनाई ना हो तथा पुस्तक पाठकों के लिये सहज हो सके।

इस पुस्तक के लेखन में जिन आदरणीय महानुभावों के अनुभव की सहायता ली गई है, हम उन सबके हृदय से आभारी हैं। डॉ. श्रीकृष्ण खाण्डल, जयपुर, पूर्व विभागाध्यक्ष, विकृति विज्ञान विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद

संस्थान, जयपुर के बहुत आभारी हैं जिनकी निरन्तर प्रेरणा हमें मिलती रही है। उत्साहवर्धन के लिये डॉ. जगदीश शर्मा, प्रसिद्ध अर्शरोग विशेषज्ञ, बून्दी, श्रीराम शर्मा, प्राध्यापक, म.मो. मा. आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर, डॉ. सतीश कुमार शर्मा, सहायक वन संरक्षक, उदयपुर एवं डॉ. दीप नारायण पाण्डेय, सदस्य सचिव, प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड, जयपुर के भी बहुत आभारी है।

साईन्टिफिक पब्लिशर्स (इंडिया) के भाई सा. श्री पवनजी, श्री तनयजी, श्री राजेशजी ओझा को उनके सहयोग के लिये कृतज्ञता व्यक्त करते हैं जिसके कारण ही इस पुस्तक का साकार होना संभव हो पाया।

कोई पुस्तक कभी सम्पूर्ण नहीं होती, गलतियाँ होना स्वाभाविक है, अतः सभी विद्वानों से गलतियों के लिये क्षमा चाहते हुए, विद्वान पाठकों के अमूल्य उपयोगी सुझाव, मार्गदर्शन व समालोचना सादर आमंत्रित हैं। हम उनके बहुत आभारी होगे।

अन्त में तुलसीदासजी के निम्न दोहे से अपनी बात समाप्त करना चाहेगें–

जेहि पर कृपा करहिं जनजानी, कवि उर अजिर नचावहिं बानी।
मोही सुधारहि सोहि सब भाँति, जासू कृपा नही कृपा अघाति।

fou;kour

Mkñ jes'k dqekj HkkR;k
Mkñ v'kksd dqekj lDlsuk
Mkñ- jk/ks';ke xxl
Mkñ iÙkk flag lkSydh

vuØef.kdk

1	रक्तवह संस्थान के रोग (Hematology)	1
2	पाचन संस्थान के रोग (Diseases of Digestive system)	6
3	नाड़ी संस्थान के रोग (Diseases of Nervous system)	20
4	मूत्रवह संस्थान के रोग (Urology)	29
5	स्त्री रोग (Gynecology)	33
6	बाल रोग (Pediatrics)	42
7	श्वसन संस्थान के रोग (Diseases of Respiretory System)	47
8	हृदय रोग (Cardiology)	68
9	त्वक् रोग (Dermatology)	69
10	मानस रोग (Psychology)	109
11	संक्रामक रोग (Infection)	111
12	दंश एवं विष रोग (Toxicology and Sting Bites)	114
13	निस्रोतस ग्रन्थियों के रोग (Endocrinology)	116
14	नेत्र रोग (Ophthalmology)	121
15	कर्ण रोग (Ear diseases)	122
16	कर्कटार्बुद (Cancers)	123
17	प्रजनन संस्थान के रोग (Reproductive System)	125

18 प्रतिजीवी रोग (Immunology) 130

19 बालों के रोग (Diseases of Hairs) 135

20 दन्त रोग (Dental Diseases) 148

21 सन्धि रोग (Diseases of Joints) 149

22 यकृत व प्लीहा के रोग (Diseases of Liver and Spleen) 158

23 चयापचय रोग (Diseases of Metabolism) 163

24 अन्य रोग (Miscellaneous) 166

25 रोग सूची 170